प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

नये कीट, फाल आर्मी वर्म, से फसल सुरक्षा पर कार्यशाला आयोजित

पंतनगर। 12 जुलाई 2019। पंतनगर विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के पादप रोग सुरक्षा विभाग द्वारा 'सुरक्षा संकल्प : फाल आर्मी वर्म से खेतों की सुरक्षा' विषय पर एक-दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कृषि महाविद्यालय के सभागार में हुआ, जो मैसर्स धानुका एग्रीटैक लिमिटेड द्वारा प्रायोजित था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि, अधिष्ठाता कृषि, डा. जे. कुमार, के साथ निदेशक शोध, डा. एस.एन. तिवारी; निदेशक प्रसार, डा. पी.एन. सिंह; एवं धानुका एग्रीटैक लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक, श्री अशोक महाजन व महाप्रबंधक, श्री अतुल कुमार मंचासीन थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के अपने संबोधन में डा. जे. कुमार ने कहा कि भारत में औसतन रसायनों का उपयोग आधा कि.ग्रा. प्रति हैक्टेयर है, जोकि अन्य देशों से बहुत कम है और विश्व स्तर पर रसायनों के उपयोग के औसत के बराबर है, लेकिन इसके बावजूद भी देश का वातावरण प्रदूषित हो रहा है, जिसका सीधा मतलब है कि किसान रसायनों का अंधाधुंध प्रयोग कर रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को ज्ञात होना चाहिए की कीट की कौन सी अवस्था पर रसायनों का प्रयोग करें, ताकि उनका पूर्ण नियंत्रण किया जा सके। डा. कुमार ने बताया कि किसी भी रसायन के प्रयोग का समय, स्तर व तरीके की जानकारी भी बहुत आवश्यक है, तभी समय से पूर्ण नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि फसलों में समस्या आने पर किसानों को वैज्ञानिकों से सम्पर्क करना चाहिए।

इससे पूर्व डा. एस.एन. तिवारी ने बताया कि फाल आर्मी वर्म से घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि अगर इसकी प्रारम्भिक अवस्था पर नियंत्रण कर लिया जाए तो इससे होने वाली हानि से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस कीट का प्रकोप अभी उत्तराखण्ड में नहीं हुआ है, लेकिन उत्तर प्रदेश में यह देखा जा रहा है। वैज्ञानिकों व किसानों को इसके प्रति जागरूक होकर सचेत रहने की जरूरत है। इस अवसर पर डा. पी.एन. सिंह ने फाल आर्मी वर्म द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाने की प्रक्रिया के बारे में किसानों को बताया, साथ ही उन्होंने धान-गेहूं की फसलों के स्थान पर मक्के की खेती करने की सलाह दी। धानुका एग्रीटैक लिमिटेड के वरिष्ठ महाप्रबंधक ने अपनी कम्पनी के कार्यों के बारे में जानकारी दी। इस कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक, डा. के.पी. सिंह, ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन धानुका कम्पनी के महाप्रबंधक श्री अतुल कुमार द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय व कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं उत्तराखण्ड के किसान उपस्थित थे।